विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम्

विषय हिन्दी

क्षितिज गद्य खंड

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक'

फादर को याद करना उदास शांत संगीत सुनने जैसा था।

इस पंक्ति की समीक्षा करें।